शारीरिक गठन, व्यक्तित्व

आपके जन्म के समय प्रथम भाव में मेष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल लग्नेश होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप स्वाभिमानी व्यक्तित्व के धनी हैं। शारीरिक गठन में मध्यम कद, कुछ लंबा चेहरा, साधारण लंबी गर्दन, चौड़ा मस्तक तथा बड़ी आँखें होने की सम्भावना है। आपका स्वभाव आत्म–विश्वासी, स्पष्टवादी एवं महत्वाकांक्षी रहेगा। आप अपने पैरों पर खड़ा रहना पसंद करेंगे, दूसरों के आगे दीनता का भाव प्रकट करेंगे। आप सदा किसी काम में लगे रहते हैं। जीवन में आपकी इच्छा स्वतन्त्र रूप से कार्य करने की अधिक रहेगी। आप दृढ़ निश्चयी तथा परिश्रमी प्रकृति के व्यक्ति होंगे। आप शीघ्र ही उत्तेजित हो जाते हैं, फलस्वरूप आप कभी–कभी दूसरों के साथ लड़–झगड़ भी सकते हैं। अपने ध्येय को प्राप्त करने के लिए आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। आपके स्वभाव में अपने विरोधियों के प्रति कुछ आक्रोश रहेगा इससे आपके विरोधी कुछ भयभीत हो सकते हैं। सामान्यतया आप अपने जीवन काल में सुखी रहेंगे। आप अपने परिश्रम, साहस तथा धैर्य से अपना जीवन सुखमय व्यतीत करेंगे। जीवन में यदा–कदा मानसिक रूप से परेशानी हो सकती है।

धन, परिवार

आपके जन्म के समय द्वितीय भाव में वृष राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र द्वितीयेश होकर दसवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आपकी पारिवारिक स्थिति आर्थिक रूप से सामान्यतया अच्छी होने की उम्मीद हैं। आपके जीवन में आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य रूप से सुदृढ रहेगी। आप परिश्रम के बल पर जीवन में धनाभाव को दूर करने में सफल होंगे। अपनी पारिवारिक स्थिति को सम्पन्न बनाने के लिए दूर देश–विदेशों में जीविका प्राप्ति के लिए जा सकते हैं। धीरे–धीरे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके कुटुम्बिजनों का आपके लिए यथासंभव सहयोग रहेगा। पैतृक धन, सम्पत्ति, जमा पूँजी प्राप्त होने की सामान्य सम्भावना है। आप सोच–विचार कर ही किसी बात को कहेंगे। श्रृंगार तथा हास्य सम्बन्धित साहित्य पर वार्तालाप करने तथा पढ़ने में आपकी रुचि रहेगी। संगीतकला व नाट्य कला या गाना गाने या वाद्ययन्त्रो के प्रयोग करने में भी आपकी रुचि होगी। आपके उत्तम कार्यों से आपकी पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो

सकती है। विशेषतया दायीं आँख, गला, जिह्वा, मुख, वाणी आदि में रोग होन की सम्भावना सामान्य है।

पराक्रम, सहोदर

आपके जन्म के समय तीसरे भाव में मिथुन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध तृतीयेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आपमें धैर्य पराक्रम, साहस, उद्यमी इत्यादि गुण विद्यमान है। आप बुद्धिमत्ता पूर्वक ही अपने कार्यों को सम्पादित करेंगे। जटिल परिस्थितियों के आने पर आप धैर्य एवं बुद्धिमानी से उन परिस्थितियों का सामना करने में सफल होंगे। आप शारीरिक श्रम की अपेक्षा बौद्धिक श्रम करने में रुचि लेंगे। आपके सगे – भाई–बहनो (विशेषकर छोटो) का व्यवहार आपके प्रति सहयोगात्मक रहेगा। अपने बुद्धि चातुर्य तथा नम्रता से आप उनको अपनी ओर आकर्षित करने में सफल होंगे। आपकी मुख्य विशेषता यह है कि यदि किसी समय पर अपने सगे – सम्बन्धियों के साथ किसी बात को लेकर मन मुटाव हो भी जाए तो आप उसकी झलक अपने चेहरे पर प्रकट नहीं होने देंगे तथा दूसरों को अपने अंदर की बात का पता नहीं चलने देंगे। जीवन काल में आपकी छोटी–छोटी यात्राएँ होती रहेंगी। यात्राओं के द्वारा आपको यश, प्रतिष्ठा आदि में वृद्धि होगी। आपका हृदय निश्चल एवं उदारता के भाव से युक्त रहेगा आपका गान स्वर भी मधुर होने की उम्मीद हैं। सामान्यतया स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु विशेषतया दाएँ कान तथा हृदय सम्बन्धी रोगों के होने की अल्प सम्भावना रहेगी।

जायदाद, माता, शिक्षा

आपके जन्म के समय चौथे भाव में कर्क राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी चंद्र है। चंद्र चतुर्थेश होकर तीसरे स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। अपने जीवन में आप सामान्य रूप से वैभव तथा ऐश्वर्य से समृद्ध रहेंगे। आपको भौतिक सुख – सुविधाओं का लाभ प्राप्त होगा। जीवन में आपकी इन वस्तुओं के प्रति सहज ही रुचि रहेगी। आप अपने पराक्रम के द्वारा सामान्य रूप से चल एवं अचल सम्पत्ति से लाभ अर्जित करेंगे। जीवन के मध्यकाल में आपको सामान्य दर्जे के अच्छे आवास की प्राप्ति हो सकती है।

आपका आवास अच्छे स्थान पर रहेगा। जीवन में आप किसी अच्छे स्थान पर अपना नया आवास भी बना सकते हैं। आपको वाहन लाभ भी रहेगा और किसी चौपाया वाहन के द्वारा लाभ होने के अवसर हो सकते हैं। आपकी माताजी अच्छे स्वभाव की महिला होंगी। परिवार के सुख – ऐश्वर्य को बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आपके प्रति उनका सहयोगात्मक व्यवहार रहेगा। आपको माता के द्वारा लाभ होने का योग है तथा उनकी प्रेरणा से जीवन में आपको अच्छी स्थिति प्राप्त होगी। आपके बच्चों के प्रति भी आपकी माता का व्यवहार सहयोगात्मक रहेगा। शिक्षा के क्षेत्र में आपकी सामान्य रूप से अच्छी सम्भावनाएँ हैं। आपकी व्यवसायिक शिक्षा उपाधि (डिग्री) प्राप्त करेंगे एवं उसके माध्यम से जीवन में आप सामान्यतया अच्छा लाभ प्राप्त कर सकेंगे। आपकी पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं से शीघ्र मित्रता हो सकती है तथा उनसे लाभ भी प्राप्त होगा।

बुद्धि, सन्तान

आपके जन्म के समय पंचम भाव में सिंह राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी सूर्य है। सूर्य पंचमेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आपकी धारणाशक्ति (स्मरण शक्ति) तथा विवेचन शक्ति भी उत्तम होगी। आप किसी भी विषयवस्तु पर गहराई से विवेचना कर सकते हैं तथा उसको लंबे समय तक स्मरण रखने की क्षमता भी है। आपकी बुद्धि सात्विक होगी। आपमें स्वार्थ–प्रियता नहीं रहेगी। आप परोपकार के लिए चिंतनशील रहेंगे। आप शत्रुओं तथा विरोधियों को अपने बुद्धि बल से परास्त करने में सफल होंगे। प्राचीन वैदिक साहित्य के साथ ही आपकी आधुनिक ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में भी गहन रुचि रहेगी। आप संतान पक्ष से प्रायः संतुष्ट रहेंगे। आपकी संतान बुद्धिमान, स्थिर स्वभाव, यशस्वी एवं दीर्घायु आदि गुणो से सम्पन्न रहेगी। जीवन में संतान पक्ष के द्वारा आप सम्मानित रहेंगे। प्रेम–प्रसंगों में अधिक भावुकता तथा शीघ्रता न होने से बंधने की सम्भावना कम रहेगी। आप स्वाभिमान तथा आदर्शवादिता की ओर भी ध्यान देंगे अर्थात आपका प्रेम स्वच्छ होगा, उसमें स्पष्टता होगी एवं प्रेम सम्बन्ध विवाह के रूप में भी बदल सकता है। आपको पूर्वजन्म के पुण्य कर्मों का इस जीवन में लाभ मिलेगा। आप अपने जीवन काल में समाज के लिए कोई अच्छा कार्य कर सकते हैं, इससे आपको यश तथा वैभव की भी प्राप्ति होगी।

रोग, शत्रु,

आपके जन्म के समय छठे भाव में कन्या राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बुध है। बुध षष्ठेश होकर नौवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपने जीवन काल में किसी बड़ी बीमारी से पीड़ित नहीं रहेंगे और अधिकतर स्वस्थ रहेंगे। यदि आप जीवन काल में संयम रख सकें तो उत्तम स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जीवन में शत्रु पक्ष से हानि होने की कम ही सम्भावनाएँ रहेंगी। आपके शत्रु बहुत कम रहेंगे तथा उनके द्वारा आपको किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी लेकिन गुप्त रूप से आपके शत्रु सक्रिय हो सकते हैं। इसलिए आपको सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पादित करना चाहिए। आपको व्यर्थ के तर्क – वितर्क से बचना चाहिए। आप सेवक वर्ग से लाभ प्राप्त करेंगे और उनसे कोई बड़ी छति या नुकसान होने के अवसर कम ही रहेंगे। सेवक वर्ग के चयन करते समय कुछ सावधानी अवश्य बर्तें। जीवन में आपको मामा–मामियों की ओर से यथासंभव सुख तथा सहयोग मिलेगा। आप मानसिक रूप से चिन्तित रह सकते हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के लिए तथा भौतिक सुखों को पाने के लिए लालसा रहेगी।

विवाह, दम्पति, साझेदारी

आपके जन्म के समय सातवें भाव में तुला राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शुक्र है। शुक्र सप्तमेश होकर दसवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। शुक्र ग्रह के अच्छे प्रभाव से आपका जीवन–साथी सौम्य स्वभाव, आकर्षक व्यक्तित्व, हंसमुख एवं शारीरिक रूप से अच्छी आकृति प्रकृति के होंगे। उनका रंग गोरा तथा कद सामान्य होगा। आपके जीवन–साथी में सांसारिक क्रिया–कलापों को आधुनिक रीति से करने की अच्छी प्रतिभा होगी। उनका सभी के प्रति मधुरता का व्यवहार रहेगा, जिससे वे लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे। भौतिक सुख – सुविधाओं की ओर सहज ही आकर्षण रहेगा एवं अपने दामपत्य जीवन में भौतिक सुख – सुविधाओं की कमी नहीं होगी। आप अच्छे दामपत्य सुख को प्राप्त करेंगे। जीवन–साथी के साथ अच्छी भागेदारी रहेगी। आप जीवन में जीवन–साथी के साथ आकर्षक पर्यटक स्थलों में प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद लेते रहेंगे। आपका विवाह किसी महिला के सहयोग से या अपने निजि जनों के सहयोग से

सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। आपका विवाह अपने कुल से कुछ अधिक अच्छे कुल में होने की सम्भावना अधिक है। आपके जीवन–साथी का आपके पिता की अपेक्षा आपकी माताजी से अधिक अपनत्व तथा आदरणीय भाव रहेगा। व्यापार में साझेदारी की सम्भावनाएँ बनती है। इस तरह के व्यवसाय से आपको हानि होने की अपेक्षा लाभ अधिक रहेगा। साझेदारी में आपकी एक दूसरे के प्रति विश्वसनीयता तथा अच्छी सहभागिता रहेगी। आप महिला पक्ष से भी साझेदारी करने पर अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आयु, दुर्घटना

आपके जन्म के समय आठवें भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी मंगल है। मंगल आठवें स्थान का स्वामी होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप अपनी आयु एवं आरोग्यता के सम्बन्ध में कम ही चिन्तित होंगे। आप दीर्घ जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन में आप बौद्धिक परिश्रम के साथ शारीरिक परिश्रम में भी रुचि लेंगे। आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप जीवन पर्यन्त परिश्रम पूर्वक जीवन यापन करेंगे। जीवन में आप अच्छी धन सम्पत्ति प्राप्त करेंगे। आप सुरक्षित भविष्य के लिए बीमा करने में रुचि लेंगे। लंबी अवधि की अपेक्षा आपको छोटी अवधि का बीमा करने से लाभ अधिक रहेगा। आपके जीवन में आकस्मिक दुर्घटना चोरी आदि कम ही रहेंगी तथा किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर भी उससे अधिक हानि नहीं होगी। इस तरह की दुर्घटनाओं के प्रति सावधानी अवश्य रखनी चाहिए। जीवन में आप आकस्मिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अपने जीवन–साथी व साझेदारी इत्यादि से आपको धन सम्पत्ति का लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

सौभाग्य, आध्यात्मिकता, प्रसिद्धि, यात्राएँ

आपके जन्म के समय नवम् भाव में धनु राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति नवमेश होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना उत्तम प्रभाव प्रकट कर रहा है। आप बृहस्पति ग्रह का अच्छा प्रभाव होने के कारण सौभाग्यशाली है। 16 वर्ष से 22 वर्ष के भीतर आपका भाग्योदय होगा। अच्छे कार्यों को करने से तथा दूसरों को सहयोग देने से

आपका भाग्य अधिक उन्नत होगा। अपने जीवन में आप धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहेंगे। आप किसी संस्था में सम्माननीय उच्च पद या सदस्य के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं। आप समाज में एक प्रतिष्ठित नागरिक के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। आध्यात्मिक क्षेत्र में आप अपने धर्म के नियमों का पालन श्रद्धा तथा विश्वास पूर्वक करेंगे। आप धार्मिक विचारों से ओत–प्रोत रहेंगे। ईश्वर के प्रति अटूट श्रद्धा एवं भक्ति का भाव रहेगा। ईश्वर के निर्गुण तथा सदगुण दोनो ही रूपों में आस्था बनी रहेगी। आप जीवन में लंबी दूरी की यात्राएँ करेंगे तथा उन यात्राओं के माध्यम से धन, यश तथा ज्ञान की प्राप्ति होने की भी सम्भावना रहेगी।

व्यवसाय, सामाजिक स्तर, आजीविका

आपके जन्म के समय दशम् भाव में मकर राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि दशमेश होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपको अपने जीवन काल में आजीविका प्राप्ति में कुछ संघर्ष करना पड़ेगा। जीविका से वांछित पूर्ण लाभ की कम सम्भावना है। आपको जीवन काल के 36 वें वर्ष से अपनी जीविका से उत्तम लाभ मिलने की सम्भावना है। आप आजीविका के क्षेत्र में खनिज, कोयला, कृषि, कानून, समाज कल्याण विभाग इत्यादि में परिश्रम पूर्वक प्रयास करने से सामान्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। व्यवसाय के क्षेत्र में खनिज, तेल, लोहा व लोहे से सम्बन्धित वस्तुओं लकड़ी, ईंट, पत्थर, जूतों का क्रय–विक्रय, कृषि कार्य इत्यादि करने से सामान्य रूप से लाभ हो सकेगा। आपके पिता सामान्य रूप से परिश्रमी, बुद्धिमान हैं। उनका अपने परिवार पर प्रभाव सामान्य रहेगा तथा उनका सामाजिक स्तर भी सामान्य होगा। आपके पिता को अपने जीवन काल में कुछ अधिक संघर्ष तथा परिश्रम करना पड़ेगा। आपके प्रति उनका स्नेह तथा सहानुभूति सामान्य रहेगी। आपको जीवन में उनसे विशेष लाभ होने की सम्भावना कम ही है। आपका सामाजिक स्तर सामान्य रहेगा। अपने सामाजिक स्तर को बढ़ाने में आप कुछ प्रयासरत तो रहेंगे लेकिन आपके सामाजिक स्तर में अधिक वृद्धि नहीं होगी।

लाभ, आकांक्षएँ, आय

आपके जन्म के समय ग्यारहवें भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी शनि है। शनि ग्यारहवें स्थान का स्वामी होकर छठे स्थान में स्थित है, जिससे अपने फल में कमी प्रदर्शित कर रहा है। आपको अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए परिश्रम पूर्वक संघर्ष करना पड़ेगा। आप जितना परिश्रम करेंगे उसके अनुसार लाभ कम हो सकता है। परिश्रम करने पर परिश्रम का पूरा लाभ नहीं होने से आपकी आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रहेगी। आप अपनी आय स्रोत को बढ़ाने के लिए यदा–कदा अपने आय स्रोत (जीविका) को बदल सकते हैं, इससे आपको सामान्य लाभ होने की सम्भावना रहेगी। आपके जीवन में कई आकांक्षाएँ होगी लेकिन आपकी महत्वाकांक्षाएँ पूर्ण होने में अधिक विलम्ब हो सकता है। आपके बड़े भाई–बहनो का आपके प्रति सहयोगात्मक व्यवहार कम ही रहेगा तथा उनसे जीवन में कोई विशेष लाभ होने की सम्भावना भी कम है। आपके द्वारा भी अपनी बड़ी बहनों को विशेष रूप से लाभ होने की सम्भावना कम ही रहेगी। बाएं कान में सामान्य परेशानी होने की सम्भावना हो सकती है इस विषय में सावधानी रखें।

व्यय, आवास परिवर्तन

आपके जन्म के समय बारहवें भाव में मीन राशि उदित हो रही है, जिसका स्वामी बृहस्पति है। बृहस्पति बारहवें स्थान का स्वामी होकर पांचवें स्थान में स्थित है, जिससे अपना मध्यम फल प्रदर्शित कर रहा है। आप जीवन में सामान्यतया अपने धन को अच्छे कार्यों में खर्च करेंगे। आप अपने भाईयों व सगे – सम्बन्धिजनों की आर्थिक सहायता कर सकते हैं। आप धार्मिक कार्यों में भी कुछ धन खर्च करते रहेंगे। आप तीर्थ यात्रा, वृत, धार्मिक तथा सामाजिक क्रिया कलापों में रुचि रखेंगे। आपके जीवन में किसी तरह की विशेष हानि या बन्धन नहीं रहेगा। किसी भी तरह की हानि या बन्धन होने पर भी उससे विशेष परेशानी नहीं रहेगी। जीवन में विशेष ऋण लेने की सम्भावना कम है। मुक्ति के विषय में आपके मन में कुछ जिज्ञासा हो सकती है। आप सामान्यतया जप, पूजा, ध्यान इत्यादि धार्मिक कृत्यों को करने में रुचि लेंगे। आपके बाएं नेत्र में कोई विशेष रोग या परेशानी होने की सम्भावना कम रहेगी, फिर भी आपको इस विषय में सावधानी रखनी चाहिए।